संत सेवालाल और रूप सिंह महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में माननीय लोकसभा अध्यक्ष का संबोधन

माननीय संसद सदस्य, डॉ. उमेश जी. जाधव जी,

गणमान्य अतिथिगण; देवियो और सज्जनो

बंजारा समुदाय के दो पूज्य संत - धर्मगुरु संत सेवालाल महाराज जी और रूप सिंह महाराज जी की जयंती के इस अवसर पर आप अभी बंधुओं के साथ सम्मिलित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। सर्वप्रथम सेवालाल महाराज को तथा रूप सिंह महाराज को मेरा सादर नमन।

माननीय सांसद डॉ. उमेश जाधव जी को हार्दिक बधाई कि उनके अथक और समर्पित प्रयासों ने पूरे देश के बंजारा समुदाय को संगठित किया है, उनको एक अलग पहचान दी है।

बंजारा समुदाय के समग्र विकास और समृद्धि को सुनिश्चित करने हेतु डॉ. उमेश जाधव जी का समर्पण और प्रतिबद्धता अद्वितीय है। मैंने व्यक्तिगत रूप से देखा है कि वे अपने लोगों का सदैव ध्यान रखते हैं।

सदन में डॉ. जाधव ने अपने समुदाय की चिंताओं को ज़ोरदार और स्पष्ट ढंग से उठाया है। डॉ जाधव के प्रयासों के कारण ही गुलबर्ग विश्वविद्यालय में आज संत श्री सेवालाल अध्ययन केंद्र स्थापित है जिसका उद्देश्य संत सेवालाल और बंजारा समुदाय से संबंधित विषयों पर अध्ययन और शोध करना है।

मैं संत सेवालाल महाराज चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टियों, पदाधिकारियों और सदस्यों को भी बधाई देता हूं। देश के विभिन्न हिस्सों में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी बसे बंजारा समुदाय को एकजुट करने में आपके योगदान की हार्दिक सराहना की जानी चाहिए। ट्रस्ट द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं पशु देखभाल जैसे क्षेत्रों में प्रदान की जा रही सेवाएँ सराहनीय है।

संत सेवालाल महाराज चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से संत सेवालाल महाराज की जन्मशती का उत्सव मनाया जा रहा है।

संत सेवालाल महाराज ने अपना पूरा जीवन समाज सेवा, लोक सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहा है।

उनसे जो लोग भी मिलते थे वे उनके आध्यात्मिक व्यक्तित्व तथा आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के उनके असीम ज्ञान से प्रेरित होते थे। उनका जन्म स्थान तो कर्नाटक में रहा था लेकिन उनके विचारों ने, उनके

संदेश ने पूरे देश को प्रेरणा दी है। उन्हें भारत के दूरस्थ इलाकों में जाकर वनवासियों और बंजारा समुदाय की सेवा करने के लिए जाना जाता है।

सेवालाल महाराज अंधविश्वास और पशुओं की बलि देने के विरुद्ध थे। वे धर्मांतरण करके अन्य धर्म को स्वीकार करने के पक्ष में भी नहीं थे। उन्होंने माता-पिता और महिलाओं का आदर करने तथा प्रकृति और वन्यजीवों की रक्षा करते हुए उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने का उपदेश दिया।

उन्होंने आज से लगभग तीन सदी पहले जो सामाजिक समरसता और प्राकृतिक वातावरण के साथ सौहार्द से जीने का जो संदेश दिया वह आज भी उतना ही सार्थक है।

आदिवासी समुदायों के बीच प्रचलित मिथकों और अंधविश्वासों को मिटाने तथा उनकी अनूठी सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के उनके प्रयास आज भी हमारे लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

उन्होंने समाज के सामने जो विचार रखे उनको हम सेवा बोली के रूप में जानते हैं। उन्होंने बहुत सरल भाषा में अपने विचार रखे। उनके विचार थे कि हम जनसमुदाय की सेवा भी अपने परिवार की तरह करें; किसी भी आधार पर किसी के साथ भेदभाव न करें; प्रकृति की पूजा करें और प्रकृति से जुड़े रहें और उसका अनादर न करें; महिलाओं का सम्मान करें; दहेज प्रथा का विरोध करें; ज्ञान प्राप्त करें; कमजोर और जरूरतमंद लोगों की सहायता करें; अज्ञानता, गरीबी और अंधविश्वास की बेड़ियों से मुक्त हों। ये आज भी उतने ही संगत हैं।

संत सेवालाल महाराज के दिखाए मार्ग पर चलते हुए, हम अधिक समावेशी और समतामूलक समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। उनके अंदर करुणा थी, सामाजिक न्याय के लिए समर्पण था और सबके लिए स्नेह का भाव था।

उन्होंने ऐसे समाज के निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया जहां बिना किसी भेदभाव के हर व्यक्ति को सम्मानजनक और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार है।

रूप सिंह महाराज का संबंध तो मेरे राजस्थान से रहा है। रूप सिंह महाराज स्वतंत्रता, समानता और न्याय के लिए लड़ते थे। उनके सामने कितनी भी बड़ी चुनौती आई उन्होंने अपने मूल्यों और सिद्धांतों को नहीं छोड़ा। अपने इन्हीं मूल्यों के साथ उन्होंने बामनिया भट्ट जैसे सामाजिक संगठन की स्थापना की।

रूप सिंह महाराज एक पराक्रमी योद्धा थे, अपने सिद्धांतों और आदर्शों के लिए उनमें प्रतिबद्धता थी। जब वे कुछ करने का संकल्प ले लेते थे तो अपने संकल्प को सिद्धि तक पहुंचा कर ही उनका कार्य पूर्ण होता था। अपने क्षेत्र में जलाशयों को बचाने के लिए उन्होंने एक तालाब का निर्माण कराकर लोगों के प्रति श्रेष्ठतम सेवा भाव का परिचय दिया। उनके विचार और उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

साथियो, भारत में बंजारा समुदाय ने देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है, हमारे देश की समृद्ध संस्कृति में अमूल्य योगदान दिया है।

लेकिन इस समुदाय को अनेक सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा है। इस समुदाय ने अपनी पारंपरिक जीवन शैली को बचाए रखने के लिए काफी संघर्ष किया है।

लेकिन आज हमारी सरकार ने इस समुदाय के विकास के लिए निरंतर समर्पित प्रयास किए हैं। सरकार ने गैर अधिसूचित, बंजारा और अर्ध बंजारा समुदायों के लिए एक विकास और कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है।

बंजारा समुदाय के सशक्तीकरण और उत्थान के लिए मिशन मोड में प्रयास किए जा रहे हैं। बंजारा समुदाय की संस्कृति और परम्पराओं को संरक्षित रखने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी सरकार की प्राथमिकता वंचित वर्गों का सशक्तिकरण और कल्याण करना है।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं संत सेवालाल महाराज चैरिटेबल ट्रस्ट को और अपने बंजारा भाइयों और बहनों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ और आशा करता हूँ कि वे अपने सभी भावी प्रयासों में सफल रहेंगे। मेरी यही कामना है कि आज का यह आयोजन हमें सकारात्मक ऊर्जा से भरे और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करे।

संत सेवालाल महाराज एवं रूप सिंह महाराज को पुनः सादर नमन। धन्यवाद।